सीखने की विशेषताएँ —

सीखने की निम्नलिखित विशेषताएँ पायी जाती हैं।

1- सीखना — सम्पूर्ण जीवन चलता है।
सीखने की प्रक्रिया आजीवन चलती है। व्यक्ति अपने जन्म के समय से मृत्यु तक कुछ न कुछ सीखता रहता है।

2- सीखना परिवर्तन है।
व्यक्ति अपने और दूसरों के अनुभवों से सीख कर अपने व्यवहार विचारों इच्छाओं भावनाओं आदि में परिवर्तन करता है। गिलफोर्ड के अनुसार — सीखना व्यवहार के परिणाम स्वरूप व्यवहार में कोई परिवर्तन है।

3- सीखना सार्वभौमिक है
सीखने का गुण केवल मनुष्य में ही नहीं पाया जाता है। वस्तुतः संसार के सभी जीव धारी पशु पक्षी और कीड़े मकोड़े सीखते हैं

4- सीखना विकास है
व्यक्ति अपनी दैनिक क्रियाओं और अनुभवों के द्वारा कुछ न कुछ सीखता है।

Scanned with CamScanner

Date : / /
Page No :

फलस्वरूप उसका शारीरिक और मानसिक विकास होता है सीखने की इस विशेषता को पेस्टालाजी ने वृक्ष और फ्रोबेल ने उपवन का उदाहरण दे कर स्पष्ट किया है।

5- सीखना खोज करना है।

सीखना ~~किसी~~ किसी वास्तविक बात की खोज करना है इस प्रकार के सीखने में व्यक्ति विभिन्न प्रकार के प्रयास करके स्वयं एक परिणाम पर पहुँचता है। मरसेल का कथन है सीखना उस बात को खोजने और जानने का है, जिसे एक व्यक्ति खोजता और जानना चाहता है।

Scanned with CamScanner